एनीमिक महिलाएं समय पर अपनी आवश्यक खुराक लें : कलेक्टर डॉ . सोनवणे

नवभारत न्यूज

बैतूल, 22 मई. घोड़ाडोंगरी जनपद के विभिन्न ग्रामों के भ्रमण के दौरान शुक्रवार को कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने रानीपुर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, आंगनवाड़ी केंद्र, उपार्जन केंद्र, कृषि सहकारी समिति का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निर्मित उत्पादों के लिए शोरूम उपलब्ध कराए

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का किया निरीक्षण

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रानीपुर निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने स्वास्थ्य केंद्र में ओपीडी, आईपीडी एवं विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी डॉक्टरों से ली। उन्होंने निर्देश दिए कि रोस्टर के अनुसार डॉक्टरों की नियमित ड्यूटी लगाकर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित की जाएं। साथ ही बारिश से पूर्व स्वास्थ्य केंद्र भवन की आवश्यक मरम्मत कराने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर डॉ सोनवणे ने बीएमओ से पीएम संबंधी शिकायतों की जानकारी लेकर आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने महिलाओं के स्वास्थ्य प्रबंधन, प्रथम त्रैमासिक एएनसी पंजीयन तथा हाई रिस्क एवं एनीमिक महिलाओं को दिए जा रहे उपचार की जानकारी ली। इस दौरान बीएमओ ने हाई रिस्क और एनीमिक महिलाओं को दिए जा रहे उपचार की जानकारी दी, जिस पर कलेक्टर ने निर्देश दिए कि हाई रिस्क और एनीमिक महिलाएं समय पर अपनी आवश्यक खुराक ले, इसकी नियमित मॉनिटरिंग की जाए। इसके अलावा उन्होंने

आयरन सुक्रोज सहित अन्य आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश भी दिए। बीएमओ ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घोड़ाडोंगरी में सोनोग्राफी सेवाएं भी पूरी तरह क्रियाशील हैं। इस दौरान कलेक्टर ने घोड़ाडोंगरी को एक बेहतर स्वास्थ्य मॉडल के रूप में विकसित करने तथा क्षेत्र में मातृ एवं शिशु मृत्यु शून्य रखने के लिए प्रभावी कार्य करने के निर्देश दिए।

उपार्जन केंद्र और कृषि सहकारी समिति पर व्यवस्थाओं का लिया जायजा : कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने रानीपुर स्थित गायत्री खरीदी केंद्र पहुंचकर उपज तौल प्रक्रिया का निरीक्षण किया तथा खरीदी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। लस्टर लॉस के कारण रिजेक्ट हुई उपज भी देखी और खरीदी कार्य सुचारू रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कृषि सहकारी समिति रानीपुर का निरीक्षण कर खाद वितरण व्यवस्था का अवलोकन किया। किसान की ओटीपी प्राप्त नहीं होने की शिकायत पर उन्होंने ऑपरेटर के साथ बैठकर स्वयं ई-टोकन प्रणाली से ओटीपी प्राप्त करने से लेकर खाद आवंटित करने की प्रक्रिया का अवलोकन किया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि समिति से जुड़े किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्हें कोई भी परेशानी आती है तो उसका निराकरण कर किसानों को सुचारू रूप से खाद वितरण किया जाए।

ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं, बस कनेक्टिविटी सुधारने के निर्देश : रानीपुर थाना परिसर में कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। ग्रामीणों ने बस कनेक्टिविटी नहीं होने से विद्यार्थियों को घोड़ाडोंगरी स्कूल आने-जाने में हो रही परेशानी से अवगत कराया।

आंगनवाड़ी केन्द्र में बच्चों से किया संवाद

कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने रानीपुर स्थित आंगनवाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण किया। यहां उन्होंने बच्चों से आत्मीय संवाद कर उन्हें बिस्किट एवं चॉकलेट वितरित किए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बच्चों की दर्ज संख्या, नाश्ता एवं भोजन व्यवस्था की जानकारी ली तथा भोजन चखकर गुणवत्ता भी परखी। भोजन हल्का तीखा पाए जाने पर उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से जानकारी ली। कार्यकर्ता ने बताया कि बच्चे सहज रूप से तीखा भोजन ग्रहण कर लेते हैं। कलेक्टर ने आंगनवाड़ी में उपलब्ध फर्स्ट एड किट का निरीक्षण कर बीएमओ को आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

महिलाओं की आजीविका गतिविधि बढ़ाने के निर्देश

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने स्व सहायता समूह की महिलाओं से चर्चा कर मशरूम उत्पादन, अचार निर्माण, मसाला पाउडर एवं कपड़ा दुकान संचालन जैसी गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने मशरूम उत्पादन के प्रयासों की सराहना की। महिलाओं ने बताया कि मशरूम उत्पादन से प्रतिमाह लगभग 10 से 15 हजार रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हो रहा है। महिलाओं ने बताया कि क्षेत्र में 23 लखपति दीदी सक्रिय हैं। कलेक्टर ने जिला पंचायत के अतिरिक्त सीईओ को निर्देश दिए कि बैतूल में संचालित आजीविका शॉप में जिले की उत्कृष्ट महिला समूहों के उत्पादों के लिए विशेष आउटलेट उपलब्ध कराए जाएं, ताकि लोगों को जानकारी मिलने के साथ-साथ महिलाओं की आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके।

एक नजर में

स्वर्ण प्राशन अभियान में 470 बच्चों ने लिया लाभ

बैतूल। आयुष विभाग द्वारा 21 मई को जिले में स्वर्ण प्राशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 470 बच्चों ने लाभ प्राप्त किया। जिला आयुष अधिकारी एवं बाल्य रोग विशेषज्ञ डॉ. योगेश चौकीकर ने बताया कि प्रत्येक माह पुष्य नक्षत्र के अवसर पर स्वर्ण प्राशन कराया जाता है। इस माह भी कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उन्होंने बताया कि स्वर्ण प्राशन औषधि में स्वर्ण भस्म के साथ शंखपुष्पी, ब्राम्ही, वचा तथा घृत और शहद का मिश्रण उपयोग किया जाता है। बदलते मौसम में यह बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और बीमारियों से लड़ने की शक्ति मजबूत करने में सहायक माना जाता है। आयुष विभाग के अनुसार स्वर्ण प्राशन बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए लाभकारी है। कार्यक्रम के तहत शासकीय आयुर्वेद जिला चिकित्सालय टिकारी में 318 बच्चों, जिला आयुष विंग बैतूल में 46 बच्चों, शासकीय आयुर्वेद औषधालय गर्ग कॉलोनी में 81 बच्चों तथा शासकीय आयुर्वेद औषधालय भैंसदेही में 25 बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराया गया। आयुष विभाग ने जिले के सभी अभिभावकों से 6 माह से 16 वर्ष तक के बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराने के लिए आयुष केंद्रों पर लाने की अपील की है।

वन अधिकार कानून पर ग्राम सभा संपन्न

बैतूल। एकता ग्रामीणजन सहयोग संस्था के तत्वावधान में घोड़ाडोंगरी क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत दुधावानी के ग्राम खारागोंदी में वन अधिकार कानून के प्रति जागरूकता और क्रियान्वयन को लेकर एक विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। संस्था वर्तमान में घोड़ाडोंगरी क्षेत्र के 10 गांवों में वन अधिकार कानून के प्रति जागरूकता और उसके क्रियान्वयन पर कार्य कर रही है। ग्राम सभा के दौरान प्रोजेक्ट मैनेजर एवं कोऑर्डिनेटर द्वारा वन अधिकार अधिनियम 2006 के कानूनी प्रावधानों को अत्यंत सरल भाषा में समझाया गया, जिससे ग्रामीणों ने कानून की बारीकियों को आसानी से समझा और अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की। इस अवसर पर श्याम बेलवंशी ने वन अधिकार कानून की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह कानून मुख्य रूप से आदिवासी और पारंपरिक वन निवासियों को उनके जल, जंगल और जमीन के अधिकार दिलाने के उद्देश्य से लागू किया गया है।

बैठक : छह मंडलों में कांग्रेस की संगठनात्मक बैठकें आज

संगठन को मजबूत करने मैदान में उतरे जिलाध्यक्ष

कांग्रेस पदाधिकारियों को करेंगे संबोधित

बैतूल। जिले में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने के उद्देश्य से कांग्रेस ने बड़ा दौरा कार्यक्रम घोषित किया है। जिला कांग्रेस कमेटी के संगठन महामंत्री बृजभूषण पांडे से मिली जानकारी के अनुसार कांग्रेस जिला अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक निलय विनोद डागा तथा बैतूल विधानसभा प्रभारी गोपालकृष्ण शर्मा आज 23 मई को बैतूल विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मंडलों का संयुक्त दौरा करेंगे। सुबह से देर शाम तक चलने वाले इस दौरे में मंडल अध्यक्षों, बीएलए, पंचायत अध्यक्षों, बूथ अध्यक्षों, जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ नेताओं के साथ लगातार बैठकें आयोजित होंगी। जारी कार्यक्रम के अनुसार संयुक्त दौरे की शुरुआत सुबह 10 बजे जामठी में होगी। यहां गोलू भुमरकर की दुकान पर जामठी मंडल के अध्यक्ष, बीएलए, पंचायत अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष और वरिष्ठ नेताओं व प्रभारियों की संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम में समन्वयक की जिम्मेदारी जगन बरडे, गोलू भुमरकर और गोकुल पवार को सौंपी गई है। सुबह 11 बजे निलय डागा और गोपालकृष्ण शर्मा रोंढा पहुंचेंगे, जहां रोंढा मंडलम के अध्यक्ष, बीएलए, पंचायत अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता व प्रभारियों की संयुक्त बैठक होगी। इस कार्यक्रम के समन्वयक गिरीश साबले, प्रदीप डिगरसे, निलेश पवार बनाए गए हैं। इसके बाद दोपहर 1 बजे मांडवी में ऋषि नरवरे के लॉन में बैठक रखी गई है। यहां मांडवी मंडलम के अध्यक्ष, बीएलए, पंचायत अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता व प्रभारियों की संयुक्त बैठक में बूथ स्तर की रणनीति पर चर्चा होगी। कार्यक्रम के समन्वयक की जिम्मेदारी पंकज वंजारे, गणेश भरतपुरे, ऋषि नरवरे, डॉ. प्रमोद खांडवे, दिनेश पटैया को दी गई है। दौरे का अगला चरण दोपहर 2 बजे खापा में आयोजित होगा, जहां खाकरे निवास पर पुसली मंडलम के अध्यक्ष, बीएलए, पंचायत अध्यक्ष, बूथ अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता व प्रभारियों की संयुक्त बैठक होगी। इस बैठक के समन्वयक पंकज वंजारे, धर्मेन्द्र खाकरे और डॉ. प्रमोद खांडवे रहेंगे। इसके बाद दोपहर 3 बजे आठनेर के संगम लॉन में बड़ा संगठनात्मक कार्यक्रम होगा।

जल संरक्षण के कार्यों का कलेक्टर ने किया अवलोकन

बैतूल। घोड़ाडोंगरी जनपद के विभिन्न ग्रामों के भ्रमण के दौरान शुक्रवार को कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने ग्राम पंचायत रानीपुर में जल संरक्षण के सिरपुर मॉडल पर बनाए जा रहे प्रगतिरत कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने दोहा आधारित संरचना को व्यवस्थित रूप से विकसित करने के निर्देश दिए, ताकि वर्षा जल का अधिक संचयन हो सके तथा सिल्ट की समस्या का भी प्रभावी समाधान किया जा सके। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने शासकीय भूमि पर व्यवस्थित पौधरोपण कराने तथा निर्मित मंच पर शेड निर्माण कर उसकी उपयोगिता

सुनिश्चित करने के निर्देश पंचायत को दिए। उन्होंने यहां निर्मित सोखपिट की संरचना का अवलोकन कर उसकी सराहना की तथा दुर्घटना के कारण हल्का क्षतिग्रस्त हुई संरचना की शीघ्र मरम्मत कराने के निर्देश भी दिए। सीईओ जनपद ने बताया कि इसी पैटर्न पर डोलाढानी में भी कार्य प्रगतिरत है। वर्षा जल को अधिक जमीन में उतारकर भूजल स्तर बढ़ाने एवं सूखे की समस्या कम करने की मंशा से कलेक्टर के निर्देशानुसार दो ग्राम पंचायतों में सिरपुर मॉडल पर नालों का गहरीकरण कराया जा रहा है।

लू से बचाव पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

बैतूल। भीषण गर्मी एवं बढ़ते तापमान को ध्यान में रखते हुए गुरु साहब महाविद्यालय चिचोली में छात्र-छात्राओं के लिए लू से बचाव संबंधी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त प्राध्यापक जूलॉजी डॉ. सुखदेव डोंगरे ने विद्यार्थियों को गर्मी के मौसम में स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. सुखदेव डोंगरे ने बताया कि वर्तमान समय में अत्यधिक तापमान के कारण लू लगने का खतरा बढ़ जाता है। इससे बचने के लिए विद्यार्थियों को कड़ी धूप में बाहर निकलने से बचना चाहिए तथा पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए। उन्होंने कहा कि हल्के एवं सफेद रंग के कपड़े पहनना, धूप में चश्मे का उपयोग करना तथा सिर को टोपी, गमछा या कपड़े से ढंककर रखना आवश्यक है। इसके अलावा अधिक तापमान में कठिन कार्य करने से बचना चाहिए और भोजन हमेशा समय पर एवं हल्का करना चाहिए। उन्होंने रसदार फलों एवं फलों के जूस के सेवन पर भी विशेष जोर दिया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रोफेसर शंकर सतनकर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होना भी आवश्यक है।

शांति भंग करने वालों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

मुलताई। थाना क्षेत्र मे शांति भंग करने का प्रयास करने वाले 8 लोगो के खिलाफ पुलिस द्वारा प्रतिबंधत्मक कार्रवाई कर इस्तगासा पेशा किया है। टीआई नरेंद्र सिंह परिहार ने बताया 21 मई 2026 को डायल112 को सूचना मिली कि महाकाल ढाबा, मुलताई के पास कुछ व्यक्ति आपस में गाली-गलौज एवं मारपीट कर रहे हैं।सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और अभिषेक उर्फ बिट्टू पिता दिलाराम गुलबाके, उम्र 20 वर्ष, निवासी सर्रा,निखिल पिता सुभाष खंडाग्रे, उम्र 23 वर्ष गुरूसेवक पिता सुखचंद कवड़े, उम्र 24 वर्ष, अनिकेत पिता कृष्णा बोडखे, उम्र 23 वर्ष विनोद पिता

सुखचंद कवड़े, उम्र 20 वर्ष, रोहित पिता सुभाष वराठे, उम्र 21 वर्ष को गिरफ्तार कर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए एसडीएम कोर्ट मे इस्तगासा पेश किया है। इसी तरह जय स्तंभ के पास काली मंदिर मोड़ पर जोर-जोर से गाली-गलौज कर सार्वजनिक स्थान पर हंगामा कर रहे अभिमन्यु पिता अनकलाल बुआड़े, उम्र 33 वर्ष, निवासी ग्राम परसठानी एवं नागपुर रोड पर मेरी रिपोर्ट किसने की कहकर राहगीरों के बीच गाली-गलौज एवं हंगामा कर रहे शिवाजी पिता कारू डोंगरदिये, उम्र 48 वर्ष, निवासी ग्राम चंदोराखुर्द के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है।

आगजनी पीड़ितों को लायंस क्लब ने पहुंचाई सहायता

मुलताई। प्रभातपट्टन ब्लॉक के ग्राम बिसनूर में बुधवार दोपहर मे हुए भीषण अग्निकांड ने चार परिवारों की वर्षों की मेहनत और जीवनभर की जमा-पूंजी को कुछ ही घंटों में राख में बदल दिया। शुक्रवार को लायंस क्लब मुलताई कस साथी ग्राम बिसनूर पहुंचे और आगजनी पी?तों कि सहायता पहुंचाई। गौरतलब है बिसनूर के बाजार चौक क्षेत्र में लगी आग इतनी विकराल थी कि देखते ही देखते कच्चे मकान आग की चपेट में आ गए। आग की शुरुआत धोटे के भूसे के ढेर से हुई बताई जा रही है, जहां से तेज हवाओं के कारण लपटें तेजी से फैलीं और आसपास के मकानों तक पहुंच गईं। इस हादसे में मकानों में रखा अनाज, कपड़े, फर्नीचर, बर्तन, नगद राशि, महत्वपूर्ण दस्तावेज, गृहस्थी का संपूर्ण सामान, ट्रैक्टर, बाइक, साइकिल सहित अन्य आवश्यक सामग्री जलकर नष्ट हो गई। अचानक आई इस आपदा से प्रभावित परिवारों के सामने दैनिक जीवन की आवश्यकताओं का संकट खड़ा हो गया।घटना की जानकारी मिलने पर लायंस क्लब मुलताई ने तत्काल मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए पीड़ित परिवारों को सहायता सामग्री तेल, साड़ियां, पेटीकोट, पुरुषों के वस्त्र, चादर, कंबल एवं अन्य आवश्यक घरेलू सामग्री शामिल थी।

शराब प्रतिबंध के बाद भी घर पहुंचा रहे ठेकेदार

मुलताई। पवित्र नगरी में शराब विक्रय पर प्रतिबंध लगा हुआ है इसके बाद भी शराब ठेकेदार के घर पहुच सेवा देने वाले लडकों के द्वारा गली गली घर घर पहुचकर अपनी सेवाएं दे रहे है। शासन द्वारा एक ओर मुलताई को पवित्र नगरी का दर्जा देकर शहर में शराब बिक्री पर रोक लगाई है तो दूसरी ओर शराब माफिया ने शासन की लगाई रोक को अंगुठा दिखाते हुए शराब बिक्री को जमेटो की तर्ज पर शराब पीने वालो के आर्डर पर घर पहुचा कर दी जा रही है जिस पर आबकारी विभाग द्वारा मौन स्वीकृति भी दे रखी है। हालत यह हो गए है कि शराब पीने वाला व्यक्ति एक ही बार में 3-4 सप्लायरों को आर्डर दे देता है और वे लोग बताई गई जगह पर एक साथ पहुच जाते है जिसके बाद इन लोगो के मध्य विवाद होने लगता है कि आर्डर मुझे पहले दिया है कि इसलिए माल मै दूगां। तो वही दूसरा सप्लायर अपने संबधो की दुहाई देता हुआ दिख जाता है। नगर के चारो ओर शहर की सीमा के बाद शराब माफिया ने अपनी दुकाने सजा रखी है तो उनके सप्लायर लडके अपनी दुपहिया वाहन के साथ हमेशा तैयार रहे है जो कि डोमीनोज कंपनी की तर्ज पर 20 मिनट में डिलेवरी देने की गांरटी देते है और अपनी गारंटी पर खरे भी उतरते है। लेकिन आबकारी विभाग आंखो पर पटटी बांध कर बैठा हुआ है। विभाग अपना टारगेट पूरा करने के लिए साल में 2-3 बार शराब माफिया से कुछ शराब के साथ उनके वफादारों की बलि मांगता है और एक छोटा सा प्रकरण बनाकर खानापूर्ति कर लेता है। पवित्र नगरी में लागु अवैध शराब बिक्री पर प्रशासन को चाहिए कि तत्काल अंकुश लगाकर शराब बिक्री और होम डिलेवरी पर रोक लगाए । पवित्र नगरी एवं उसके आस पास हाईवे एवं मुख्य मार्गो से सटे ढाबो होटलो पर हर ब्रांड की शराब मिल रही है।

प्लांट में हुए हादसे को लेकर प्रबंधन ने रखा अपना पक्ष

पाथाखेड़ा। सारनी सतपुड़ा ताप विद्युत गृह की बंद पड़ी यूनिट क्रमांक 6, 7, 8 एवं 9 के डिस्मेंटल कार्य के दौरान हुए हादसे के बाद प्लांट प्रबंधन और एक्सपर्ट सिस्टम को लेकर उठ रहे सवालों के बीच अब एमपीपीजीसीएल प्रबंधन का पक्ष भी सामने आया है। कटिंग कार्य के दौरान एक मजदूर के गंभीर रूप से झुलसने की घटना ने जहां सुरक्षा व्यवस्थाओं और तकनीकी निगरानी पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाए हैं, वहीं दूसरी ओर प्रबंधन ने अनुभवी अधिकारियों की नियुक्ति को आवश्यक और उपयोगी बताया है। घटना के बाद सबसे ज्यादा चर्चा सतपुड़ा ताप

विद्युत गृह से सेवानिवृत्त सत्येंद्र नारायण सिंह को लेकर हो रही है, जिन्हें लगभग ?1 लाख 25 हजार प्रतिमाह मानदेय पर एक्सपर्ट के रूप में नियुक्त किया गया है। कर्मचारियों और श्रमिकों के बीच यह सवाल लगातार उठ रहा है कि यदि इतने बड़े मानदेय पर विशेषज्ञ नियुक्त किए गए हैं, तो फिर सुरक्षा व्यवस्था में इतनी गंभीर चूक कैसे हो गई। प्लांट परिसर में चर्चाएं इस बात को लेकर भी तेज हैं कि कटिंग कार्य शुरू होने से पहले संबंधित लाइन का पावर सप्लाई बंद क्यों नहीं किया गया, इलेक्ट्रिकल क्लीयरेंस किन परिस्थितियों में जारी किया गया और सुरक्षा मानकों का पालन होने के बावजूद मजदूर झुलसा कैसे गया,हादसे के बाद कर्मचारियों में भय और असंतोष का माहौल दिखाई दे रहा है। एमपीपीजीसीएल मुख्य अभियंता सुशील कुमार लिल्होरे का कहना है कि एडिशनल चीफ इंजीनियर स्तर से रिटायर हुए अनुभवी अधिकारियों को एक्सपर्ट के रूप में नियुक्त किया गया है। वर्तमान में लगभग 20 एक्सपर्ट विभिन्न परियोजनाओं में सेवाएं दे रहे हैं। 660 मेगावाट यूनिट को तय समय से पहले शुरू करने के लिए अनुभवी लोगों का मार्गदर्शन लिया जा रहा है।

मौजूदगी | वन विभाग और स्नेक मित्रों के सहयोग से सामने आई बैतूल की सर्प विविधता

बैतूल के जंगलों में सांपों की अनोखी दुनिया, 5 फैमिली की 19 प्रजातियां दर्ज

बैतूल। सतपुड़ा अंचल की जैव विविधता एक बार फिर चर्चा में है। बैतूल जिले में सांपों की विभिन्न प्रजातियों पर किए गए विस्तृत अध्ययन में जिले में 5 फैमिली और 19 प्रजातियों के सांपों की मौजूदगी दर्ज की गई है। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस जयवंती हाक्सर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बैतूल के पूर्व प्राध्यापक डॉ. सुखदेव डोंगरे ने वन विभाग और स्नेक मित्रों के सहयोग से वर्ष 2024-25 में बैतूल जिले का स्नेक फाना तैयार किया है। अध्ययन में यह भी सामने आया कि जिले के वन क्षेत्रों के साथ-साथ शहरी और ग्रामीण इलाकों में भी सांपों की विविध

प्रजातियां निवास कर रही हैं। क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय भोपाल, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा प्रकाशित पुस्तक - सांप हमारे दुश्मन नहीं- के अनुसार विश्व में लगभग 2700 प्रजातियों के सांप पाए जाते हैं। वर्ष 2005 की रिपोर्ट में मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में 6 फैमिली एवं 39 प्रजातियों के सांप दर्ज किए गए थे। वहीं वर्ष 2010 से 2012 के अध्ययन में सतपुड़ा टाइगर रिजर्व और पचमढ़ी बायोस्फीयर रिजर्व क्षेत्र में 6 फैमिली एवं 31 प्रजातियों के सांप पाए गए। अमोल कुमार के वर्ष 2012 के अध्ययन में सतपुड़ा टाइगर रिजर्व होशंगाबाद में 22 प्रजातियां रिकॉर्ड की गईं, जबकि संदीप फेलोबस ने वर्ष 2014 में पचमढ़ी बायोस्फीयर रिजर्व में 31 प्रजातियों का उल्लेख किया। शैला इशाक के अध्ययन में गांधीसागर वाइल्ड लाइफ सेंचुरी में 6 फैमिली की 22 प्रजातियां दर्ज की गई थीं। डॉ. सुखदेव डोंगरे ने वन विभाग के रेंजर बरडे, स्नेक मित्र आदिल खान, विशाल विश्वकर्मा और जमाल भाई के सहयोग से बैतूल जिले में यह अध्ययन किया। अध्ययन के दौरान बैतूल, आमला, घोड़ाडोंगरी, आठनेर, भैंसदेही, शाहपुर, पट्टन, चिचोली, भीमपुर और मुलताई सहित जिले के दस विकासखंडों के वन क्षेत्रों, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व और मेलघाट क्षेत्र में सांपों की प्रजातियों का सर्वे किया गया।

इन प्रजातियों की हुई पहचान

अध्ययन में बोइडी फैमिली के रेड सेंड बोआ, कॉमन सेंड बोआ और अजगर, कोलूब्रिडी फैमिली के सीता कील बैक, कॉमन कैट स्नेक, ब्रॉन्ज बैक ट्री स्नेक, कॉमन ट्रिंकेट स्नेक, वुल्फ स्नेक, ग्रीन कील बैक, कॉमन कुकरी स्नेक, रसेल कुकरी स्नेक, रेट स्नेक और चेकरड कील बैक दर्ज किए गए। वहीं इलापीडी फैमिली में कॉमन करैत और इंडियन स्पेक्टेकल्ड कोबरा, टाइफ्लोपिडी फैमिली में ब्राह्मणी वर्म स्नेक तथा वाइपरीडी फैमिली में सॉ स्केल्ड वाइपर, बम्बू पिट वाइपर और रसेल्स वाइपर की मौजूदगी रिकॉर्ड की गई।

रानीपुर थाना म्यूजियम का किया अवलोकन

बैतूल। कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने शुक्रवार को घोड़ाडोंगरी जनपद क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों के भ्रमण के दौरान रानीपुर पुलिस थाना म्यूजियम का अवलोकन किया।

उन्होंने म्यूजियम में स्थापित विभिन्न गैलरियों का निरीक्षण कर वहां संरक्षित ऐतिहासिक सामग्री एवं स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेजों और वस्तुओं की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने आर्मर गैलरी, बुक्स एवं रिकॉर्ड सेक्शन, अंग्रेजों के जमाने के रैंक कैडर, पुलिस उपकरण, थाने की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि तथा स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय वीरों के योगदान से संबंधित प्रदर्शित सामग्रियों का अवलोकन किया।

इस दौरान थाना रानीपुर की हेड कांस्टेबल पूनम तिवारी ने म्यूजियम में संरक्षित प्रमुख ऐतिहासिक वस्तुओं एवं घटनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत छोड़ो आंदोलन में वीर शहीद विष्णु सिंह गोंड की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। म्यूजियम में अंग्रेजों के समय का ताला, हथकडि़यां, पुलिस बैंड से जुड़ी सामग्री तथा विभिन्न प्रकार की प्राचीन बंदूकें संरक्षित की गई हैं, जो उस दौर के इतिहास को जीवंत रूप में प्रस्तुत करती हैं। कलेक्टर ने थाना परिसर में संचालित कैफेटेरिया शॉप बंद होने के कारणों की जानकारी लेते हुए स्व-सहायता समूह की महिलाओं को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान कर कैफेटेरिया एवं सौजन्य उत्पाद केंद्र को पुनः संचालित करने के निर्देश दिए।